Epaper
epaper.ajitsamachar.com

बीपीएस महिला विश्वविद्यालय में विक्रम संवत 2082 नूतन वर्ष के आगमन के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित

गोहाना, 29 मार्च (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के माडू सिंह मेमोरियल आयुर्वेदिक संस्थान में आज विक्रम संवत 2082 नूतन वर्ष के आगमन उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया जिसकी अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने की। जबकि बतौर मुख्य अतिथि ऋषि गोयल व विशिष्ट अतिथि महिला विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो शिवालिक यादव व उद्योगपति संजीव गुप्ता ने सिरकत कर छात्राओं को सम्बोधित किया। ऋषि गोयल ने कहा कि नव वर्ष 30 मार्च चैत्र शुक्ल पक्ष से प्रारम्भ हो रहा है जो राजा विक्रमादित्य के नाम से विक्रम संवत शुरू हुआ। कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि हमारा आयुर्वेद कॉलेज 52 साल पुराना है, और उत्तर भारत में लगभग हर बी ए एम एस प्रैक्टिसनर किसी न किसी तरीके से माडू सिंह ममोरियल आयुर्वेदिक संस्थान से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद से हमेशा सीखने को मिलता है। उन्होंने नई शिक्षा नीतिका जिक्र करते हुए कहा कि जॉब सीकर नहीं जॉबप्रोवाइडर बनें। उन्होंने कहा कि इससंस्थान के फाउंडर ने सभ्य समाज बनाने के लिए बहुत बलिदान किए है। कुलसचिव प्रो शिवालिक यादव ने कहा कि ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना भी चैत्र शुक्ल पक्ष में ही की थी तथा भगवान श्रीराम व धर्मराज युधिष्ठिर का राज्याभिषेक भी इसी दिन हुआ था। इस अवसर पर आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पायल व मनीषा, फ्लोरेंस व रिया द्वितीय तथा वर्षा व रजनी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। पोस्टर मेकिंग में प्रथम स्थान प्रियंका, इशिका द्वितीय व चाहत ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। भारतीय परिधान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अन्नू, द्वितीय निधि व तीसरा स्थान महक ने हासिल किया।

विजेता छात्रा को पुरस्कृत करते कुलपति प्रो. सुदेश व ऋषि गोयल।

पंजाब केसरी
SAT,29 MARCH 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

भारतीय ज्ञान परम्परा का ध्वज हमेशा रखें ऊपर : ऋषि गोयल

गोहाना, 28 मार्च (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के माडू सिंह मैमोरियल आयुर्वेदिक संस्थान में शुक्रवार को विक्रम संवत् 2082 नूतन वर्ष के आगमन पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने की। मुख्य अतिथि शिक्षाविद ऋषि गोयल, विशिष्ट अतिथि महिला विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. शिवालिक यादव और उद्योगपति संजीव गुप्ता रहे।

ऋषि गोयल ने कहा कि नववर्ष 30 मार्च चैत्र शुक्ल पक्ष से प्रारम्भ हो रहा है। भारतीय नव वर्ष सनातनियों के लिए गर्व है। उन्होंने बताया कि राजा विक्रमादित्य के नाम से विक्रम संवत शुरू हुआ। उन्होंने आह्वान

प्रो. सुदेश और ऋषि गोयल दीप प्रज्वलित करते हुए। (अरोड़ा)

किया कि भारतीय ज्ञान परम्परा का ध्वज हमेशा ऊपर रखें।

वी.सी. प्रो. सुदेश ने कहा कि भारतीय नव वर्ष का धार्मिक व साइंटिफिक पहलू भी अपने जीवन में उतारें। अतीत से सीख कर वर्तमान को संवारना चाहिए। उन्होंने नई शिक्षा नीति का जिक्र करते हुए कहा कि जॉब सीकर नहीं जॉब प्रोवाइडर बनें।

रजिस्ट्रार प्रो. शिवालिक यादव ने कहा कि हिंदू नववर्ष के दिन ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना भी चैत्र शुक्ल पक्ष में ही की थी। भगवान श्रीराम व धर्मराज युधिष्ठिर का राज्याभिषेक भी इसी दिन हुआ था।

रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पायल और मनीषा ने प्राप्त किया, फ्लोरेंस और रिया ने दूसरा स्थान तथा वर्षा व रजनी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। पोस्टर मेकिंग में प्रथम स्थान प्रियंका, इशिका ने दूसरा और चाहत ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

भारतीय परिधान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अनु, दूसरा स्थान निधि और तीसरा स्थान महक ने हासिल किया।

भारतीय ज्ञान परम्परा का ध्वज हमेशा रखें ऊपर

गोहाना मुद्रिका एप, 28 मार्च : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के माडू सिंह मेमोरियल आयुर्वेदिक संस्थान में शुक्रवार को विक्रम संवत 2082 नूतन वर्ष के आगमन पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने की। मुख्य अतिथि शिक्षाविद ऋषि गोयल, विशिष्ट अतिथि महिला विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो शिवालिक यादव और उद्योगपति संजीव गुप्ता रहे।

ऋषि गोयल ने कहा कि नव वर्ष 30 मार्च चैत्र शुक्ल पक्ष से प्रारम्भ हो रहा है। भारतीय नव वर्ष सनातनियों के लिए गर्व है। उन्होंने बताया कि राजा विक्रमादित्य के नाम से विक्रम संवत शुरू हुआ। उन्होंने आह्वान किया कि भारतीय ज्ञान परम्परा का ध्वज हमेशा ऊपर रखें।

वी.सी. प्रो सुदेश ने कहा कि भारतीय नव वर्ष का धार्मिक व साइंटिफिक पहलू भी अपने जीवन में उतारें। अतीत से सीख कर वर्तमान को संवारना चाहिए। उन्होंने नई शिक्षा नीति का जिक्र करते हुए कहा कि जॉब सीकर नहीं जॉब प्रोवाइडर बनें। रजिस्ट्रार प्रो शिवालिक यादव ने कहा कि हिंदू नववर्ष के दिन ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना भी चैत्र शुक्ल पक्ष में ही की थी। भगवान श्रीराम व धर्मराज युधिष्ठिर का राज्याभिषेक भी इसी दिन हुआ था।

रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पायल और मनीषा ने प्राप्त किया, फ्लोरेंस और रिया ने दूसरा स्थान तथा वर्षा व रजनी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। पोस्टर मेकिंग में प्रथम स्थान प्रियंका, इशिका ने दूसरा और चाहत ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। भारतीय परिधान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अनु, दूसरा स्थान निधि और तीसरा स्थान महक ने हासिल किया।

अतीत से सीख लेकर वर्तमान को संवारे विद्यार्थी : कुलपति

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के माडू सिंह मेमोरियल आयुर्वेदिक संस्थान में भारतीय परिधान स्पर्धा की विजेता छात्रा को पुरस्कृत करती कुलपति प्रो. सुदेश। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

गोहाना। गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के माडू सिंह मेमोरियल आयुर्वेदिक संस्थान में विक्रम संवत 2082 नूतन वर्ष के आगमन के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि की कुलपति प्रोफेसर सुदेश ने की। मुख्यातिथि के रूप में ऋषि गोयल व विशिष्ट अतिथि महिला विवि के कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव व उद्योगपति संजीव गुप्ता ने शिरकत की।

कुलपति ने कहा कि भारतीय नववर्ष का धार्मिक व वैज्ञानिक पहलू है, जिसे अपने जीवन में उतारें। अपनी जड़ों से कभी दूर नहीं होना चाहिए। अपने अतीत से सीख लेकर वर्तमान को संवारना चाहिए। आयुर्वेद महाविद्यालय 52 साल पुराना है, उत्तर भारत में करीब हर बीएएमएस प्रशिक्षक किसी न किसी तरीके से इस संस्थान से जुड़े हैं।

मुख्यातिथि ऋषि गोयल ने कहा कि नववर्ष 30 मार्च चैत्र शुक्ल पक्ष से प्रारंभ हो रहा है। उन्होंने आह्वान किया कि भारतीय ज्ञान परंपरा का ध्वज हमेशा ऊपर रखें। कार्यक्रम में विभिन्न स्पर्धाएं भी आयोजित की गई। रंगोली स्पर्धा में पायल व मनीषा प्रथम, फ्लोरेंस व रिया द्वितीय, वर्षा व रजनी तृतीय रही। पोस्टर बनाओ में प्रियंका प्रथम, इशिका द्वितीय, चाहत तृतीय रही। भारतीय परिधान स्पर्धा में अन्नु प्रथम, निधि द्वितीय, महक तृतीय रही। आशा ने कविता प्रस्तुत की। मंच संचालन कशिश व नेहा ने किया।

महिला विवि में कार्यक्रम के दौरान बोलीं कुलपति प्रो. सुदेश

हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि), खानपुर कलां के माडू सिंह मेमोरियल आयुर्वेदिक संस्थान में शुक्रवार को विक्रम संवत 2082 नूतन वर्ष के आगमन उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि ऋषि गोयल और विशिष्ट अतिथि विवि के कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव व उद्योगपति संजीव गुप्ता थे। विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि भारतीय नववर्ष का धार्मिक व साइंटिफिक पहलू है जिसे अपने जीवन में उतारें। अपनी जड़ों को कभी न छोड़ें। अपने अतीत से सीख कर वर्तमान को सवारें। उन्होंने कहा कि हमारा आयुर्वेद कॉलेज 52 साल पुराना है, और उत्तर भारत में लगभग हर बीएएमएस प्रैक्टिसनर किसी न किसी तरीके से इस संस्थान से जुड़ा है। कार्यक्रम में विषय संबंधित रंगोली प्रतियोगिता में पायल व मनीषा ने पहला, फ्लोरेंस व रिया ने दूसरा स्थान जबकि वर्षा व रजनी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। पोस्टर मेकिंग में प्रियंका ने पहला, ईशिका ने दूसरा व चाहत ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। भारतीय परिधान प्रतियोगिता में अन्नू ने पहला, निधि ने दूसरा और महक ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। छात्रा आशा की कविता चंदन है इस देश की माटी तपोभूमि ग्राम है, हर बाला देवी की प्रतिमा, बच्चा बच्चा राम है ने सभी को भावनात्मक कर दिया। मंच संचालन छात्रा कशिश व नेहा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. बीसी आर्य ने किया।

गोहाना। दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश व ऋषि गोयल।

भारतीय ज्ञान का ध्वज ऊंचा रखें

मुख्य अतिथि गोयल ने कहा कि नववर्ष चैत्र शुक्ल पक्ष से प्रारम्भ हो रहा है। भारतीय नववर्ष सनातनियों के लिए गर्व है। राजा विक्रमादित्य के नाम से विक्रम संवत शुरू हुआ। उन्होंने आहवान किया कि भारतीय ज्ञान परम्परा का ध्वज हमेशा ऊपर रखें।

सृष्टि की रचना शुक्ल पक्ष से हुई

ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना भी चैत्र शुक्ल पक्ष में ही की थी तथा भगवान श्रीराम व धर्मराज युधिष्ठिर का राज्याभिषेक भी इसी दिन हुआ था। हिन्दू धर्म में सबसे अधिक मान्यनवरात्र की शुरुआत भी इसी दिन होती है।

हमें अतीत से सीख कर वर्तमान को संवारना चाहिए

गोहाना | बीपीएस महिला विवि के माडू सिंह मेमोरियल आयुर्वेदिक संस्थान में शुक्रवार को विक्रम संवत-2082 नूतन वर्ष के आगमन पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि ऋषि गोयल ने छात्राओं से भारतीय ज्ञान परंपरा का ध्वज हमेशा ऊपर रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हिंदू नव वर्ष 30 मार्च को चैत्र शुक्ल पक्ष से प्रारंभ हो रहा है। उनके अनुसार राजा विक्रमादित्य के नाम से विक्रम संवत शुरू हुआ। वहीं जॉब सीकर नहीं, जॉब प्रोवाइडर बनें। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिता भी कराई गईं।

'हमें अपनी जड़ों से कभी दूर नहीं होना चाहिए'

कुलपति प्रो. सुदेश मुख्य अतिथि ऋषि गोयल को पुस्तक भेंट करती हुईं • सौ. प्रवक्ता

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के माडू सिंह मेमोरियल आयुर्वेदिक संस्थान में शुक्रवार को विक्रम संवत 2082 नूतन वर्ष के आगमन के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया। कुलपति प्रो. सुदेश ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि भारतीय नववर्ष का धार्मिक व साइंटिफिक पहलू है जिसे अपने जीवन में उतारें। अपनी जड़ों से कभी दूर न रहें। मुख्य अतिथि समाजसेवी ऋषि गोयल ने आह्वान किया कि भारतीय ज्ञान परंपरा का ध्वज हमेशा ऊपर रखें। इस मौके पर आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में पायल व मनीषा ने पहला, फ्लोरेंस व रिया ने दूसरा स्थान जबकि वर्षा व रजनी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। पोस्टर मेकिंग में प्रियंका ने पहला, ईशिका ने दूसरा व चाहत ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।